दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, गुरूवार 04 अप्रैल 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/4722(

कृषि विश्वविद्यालय कानपुर और केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

कानपुर, 03 अप्रैल (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच शोध कार्य हेतु समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि समझौता के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शोधार्थी कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में शोधकार्य कर सकेंगे तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों एक दूसरे को वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय व संस्थान संयुक्त रूप से वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशनों में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ावा बढ़ाने में सहायक होता है।उन्होंने बताया कि कृषि वानिकी कृषकों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है।प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़,सूखा आदि की प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है तथा फसल के क्षतिग्रस्त होने पर वैकल्पिक स्रोत के तौर पर वानिकी का विकल्प कृषकों के पास रहता है। उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर दोनों संस्थान मिलकर कृषि वानिकी पर शोध कर नए आयाम स्थापित करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ ए अरुणाचलम, अधिष्ठाता कृषि वानिकी महाविद्यालय डॉक्टर मुनीश कुमार और डा.एस के विश्वास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 04/04/2024

सेंट्रल फॉरेस्ट इंस्टीट्यूट जाकर कर सकेंगे रिसर्च

सीएसए और इंस्टीट्यूट के बीच साइन हुआ एमओयू.

kanpur@inext.co.in

KANPUR (3 April): सीएसए और केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच वेडनसडे को एमओयू हुआ. सीएसए वीसी डॉ. डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि एमओयू के अंतर्गत सीएसए के रिसर्चर कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में रिसर्च कर सकेंगे. उन्होंने बताया कि दोनों संस्थान संयुक्त रूप से वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशनों में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे. सीएसए के डायरेक्टर रिसर्च डॉ पीके सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ावा बढ़ाने में सहायक होता है. प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा आदि के प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है. इस मौके पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के डायरेक्टर डॉ. ए. अरुणाचलम, डॉक्टर मुनीश कुमार और डॉ.एसके विश्वास आदि मौजूद रहे.

अमर उजाला 04/04/2024

वानिकी अनुसंधान संस्थान में भी रिसर्च कर सकेंगे सीएसए के छात्र

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के छात्र-छात्राएं अब वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में भी रिसर्च कर सकेंगे। इसके लिए दोनों संस्थानों के बीच बुधवार को सीएसए विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की मौजूदगी में समझौता हुआ है।

इसके तहत वैज्ञानिक ज्ञान, सूचना जैसे शोध प्रकाशन में संयुक्त रूप से एक दूसरे का सहयोग करेंगे। विवि के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जलस्तर को बढ़ाने में सहायक होता है। कृषि वानिकी किसानों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ. ए अरुणाचलम, डॉ. मुनीश कुमार और डॉ. एसके विश्वास आदि मौजूद रहे। (ब्यूरो)

सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 4 अप्रैल • 2024

कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान में शोध करेंगे सीएसए के छात्र

दोनों संस्थानों ने किये एमओयू पर हस्ताक्षर

कानपुर (एसएनबी)। केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान ने शोध के क्षेत्र में मिल कर काम करने के लिये चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से ह्रथ मिलाया है। वुधवार को दोनों संस्थानों के वीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने वताया कि दोनों संस्थानों के वीच हुए समझौते के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्यौगिक विवि व केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान के वीच हुआ एमओयू।

प्रकाशनों में एक दूसरे को सहयोग करेंगे। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ.पी के सिंह ने वताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को वढ़ावा देने में सह्रायक ह्रोती है। उन्ह्रोंने वताया कि कृषि वानिकी कृषकों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करती है। प्राकृतिक आपदाओं जैसे, वाढ़,सूखा आदि के प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है। साथ ही फसल के क्षतिग्रस्त ह्रोने पर वैकल्पिक स्रोत के तौर पर वानिकी का विकल्प कृषकों के पास रहता

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-95 लखनऊ व एटा से प्रकशित गुरूवार, 04 अप्रैल 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

कृषि विश्वविद्यालय कानपुर और केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच शोध कार्य हेतु समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि समझौता के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शोधार्थी कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में शोधकार्य कर सकेंगे तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों एक दूसरे को वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय व संस्थान संयुक्त रूप से वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशनों में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ावा बढ़ाने में सहायक होता है।उन्होंने बताया कि कृषि वानिकी कृषकों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है।प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़,सूखा आदि की प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है तथा फसल के क्षतिग्रस्त होने पर वैकल्पिक स्रोत के तौर पर वानिकी का विकल्प कृषकों के पास रहता है। उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर दोनों संस्थान मिलकर कृषि वानिकी पर शोध कर नए आयाम स्थापित करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ ए अरुणाचलम,अधिष्ठाता कृषि वानिकी महाविद्यालय डॉक्टर मुनीश कुमार और डा.एस के विश्वास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक रामनरेश सिंह चौहान द्वारा जैन प्रिंटर्स अलीगंज , एटा से मुद्रित करवाकर ग्राम गढ़िया, नरसू पोस्ट हथोड़ा वन एटा से प्रकाशित। 941193

Sign in to edit and save changes to this file.

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 223 | कानपुर, गुरूवार 4 अप्रैल 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी ने सीएसए के साथ किया एमओयू पर हस्ताक्षर

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए एवं केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच शोध कार्य हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने बताया कि समझौता के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शोधार्थी कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में शोधकार्य कर सकेंगे तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों एक दूसरे को वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय व संस्थान संयुक्त रूप से वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशनों में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ावा बढ़ाने में सहायक होता है।उन्होंने बताया कि कृषि वानिकी कृषकों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़,सूखा आदि की प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है तथा फसल के क्षतिग्रस्त होने पर वैकल्पिक स्रोत के तौर पर वानिकी का विकल्प कृषकों के पास रहता है। उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर दोनों संस्थान मिलकर कृषि वानिकी पर शोध कर नए आयाम स्थापित करेंगे इस अवसर पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ ए अरुणाचलम, अधिष्ठाता कृषि वानिकी महाविद्यालय डॉक्टर मुनीश कुमार और डा.एस के विश्वास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 04/04/2024

सीएसए के शोधार्थी देंगे आर्थिक सुरक्षा का विकल्प

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि (सीएसए) विश्वविद्यालय ने अपने शोधार्थियों को कृषि वानिकी के क्षेत्र में शोध कार्य करने के लिए केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी से एमओयू किया है। झांसी स्थित संस्थान में सीएसए विश्वविद्यालय के शोधार्थी कृषि वानिकी में शोध करके किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का विकल्प देंगे। बुधवार को सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि एमओयू के तहत यहां के शोधार्थी कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी में शोध कार्य कर सकेंगे। राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों एक दूसरे को वैज्ञानिक व तकनीकी और वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशनों में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे। निदेशक शोध डा. पीके सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ाने में सहायक होता है। कृषि वानिकी कृषकों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है। प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा आदि की प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है। फसल के क्षतिग्रस्त होने पर वैकल्पिक स्रोत के तौर पर वानिकी का विकल्प कृषकों के पास रहता है। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थान मिलकर कृषि वानिकी पर शोध कर नए आयाम स्थापित करेंगे।

सीएसए में कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह (मध्य), निदेशक शोध डा. पीके सिंह (बाएं), राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के निदेशक डा. ए.अरुणाचलम (दाएं)

हिंदुस्तान 04/04/2024

वानिकी अनुसंधान में शोध कर सकेंगे सीएसए के छात्र

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के छात्र-छात्राएं अब वानिकी अनुसंधान संस्थान में भी रिसर्च कर सकेंगे। बुधवार को विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की उपस्थिति में समझौता हुआ है। सीएसए विवि और केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के बीच समझौता हुआ है।

कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि समझौते के तहत शोधार्थी कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर झांसी में शोधकार्य कर सकेंगे। राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों एक-दूसरे को वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग भी प्रदान करेंगे। समझौते के तहत वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशन में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे। विवि के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ाने में सहायक होता है। कृषि वानिकी किसानों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है। प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, सूखा के प्रभाव को भी कम करने पर शोध होगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ. ए अरुणाचलम, डॉ. मुनीश कुमार और डॉ. एसके विश्वास आदि मौजूद रहे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने लॉन्च किया घर-घर... 12

नगर पालिका ने अभियान चलाकर सड़कों से हटवाया... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 171
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 04 अप्रैल, 2024

शोध कार्य के लिए समझौता एम ओ यू पर किए गए हस्ताक्षर

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच शोध कार्य के लिए समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गये।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि समझौता के अंतर्गत विश्वविद्यालय कानपुर के शोधार्थी कृषि वानिकी के विभिन्न विषयों पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में शोधकार्य कर सकेंगे तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों एक दूसरे को वैज्ञानिक व तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय व संस्थान संयुक्त रूप से वैज्ञानिक ज्ञान सूचना जैसे शोध प्रकाशनों में संयुक्त रूप से एक दूसरे को सहयोग करेंगे। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ.पी.के. सिंह ने बताया कि कृषि वानिकी भूमिगत जल के स्तर को बढ़ावा बढ़ाने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि कृषि वानिकी कृषकों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करने के साथ प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा आदि के प्रभावों को इसके माध्यम से कम किया जा सकता है तथा फसल के क्षतिग्रस्त होने पर वैकल्पिक स्रोत के तौर पर वानिकी का विकल्प किसानो के पास रहता है।

उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर दोनों संस्थान मिलकर कृषि वानिकी पर शोध कर नए आयाम स्थापित करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम, अधिष्ठाता कृषि वानिकी महाविद्यालय डॉ. मुनीश कुमार और डा. एस के विश्वास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।